गन्ना और मक्का की फसल के लिए खतरा बना फॉल आर्मीवर्म

दुनिया में फूड सिक्योरिटी के लिए खतरा माना जा रहा कीट फॉल आर्मीवर्म महाराष्ट्र में गन्ने की फसल पर मिला

[जयश्री भोसले|पुणे]

दुनिया में फूड सिक्योरिटी के लिए खतरा माना जा रहा कीट फॉल आर्मीवॉर्म महाराष्ट्र में पाया गया है।

नेशनल ब्यूरो ऑफ एग्रीकल्चरल इनसेक्ट रिसोर्सेज के एंटोमोलोजिस्ट्स ने गन्ने की फसल पर इस कीट की मौजूदगी पकड़ी है। हालांकि, देश के प्रमुख कृषि संस्थानों के वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि यह धान की फसल पर हमला नहीं करेगा। अगर यह धान की फसल तक पहुंचता है तो खतरा बहुत बढ़ सकता है।

इस कीट की सबसे पहले मौजूदगी कर्नाटक में मई में पाई गई थी। तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भी इसकी मौजूदगी की पुष्टि हो चुकी है।

एक वैज्ञानिक ने अपना नाम जाहिर न करने की शर्त पर कहा, 'फसलों के बढ़ने वाले स्तर पर पकड़ा था। हालांकि, इससे कटाई की अवधि के दौरान अधिक नुकसान नहीं हुआ है।'

वैज्ञानिकों को इस कीट के अन्य फसलों तक फैलने की आशंका है। एक मल्टीनेशनल कंपनी में एग्रोनॉमिस्ट अंकुश चोरमुले ने बताया, 'हमने मक्का के साथ ही महाराष्ट्र के शोलापुर जिले में गन्ने की फसल पर फॉल आर्मीवॉर्म की मौजूदगी पाई है।'

- **इस कीट** की सबसे पहले मौजूदगी कर्नाटक में मई में पाई गई थी
- **तमिलनाडु, तेलंगाना,** आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भी इसकी मौजूदगी की पुष्टि हो चुकी है
- **वैज्ञानिकों को** इस कीट के अन्य फसलों तक फैलने की आशंका है

हालांकि, गन्ने पर फॉल आर्मीवॉर्म की मौजूदगी की अभी लैबोरेटरी से पुष्टि नहीं हुई है। चोरमुले ने कहा कि इस कीट के तेजी से एक राज्य से दूसरे में फैलने से यह संकेत मिलता है कि यह देश में कुछ वर्ष पहले पहुंचा था।

महाराष्ट्र के एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने इस कीट को लेकर एडवाइजरी जारी की है। एक अधिकारी ने कहा, 'हम राज्य के क्रॉपसैप प्रोजेक्ट के तहत रबी और गर्मी की फसल के दौरान फॉल आर्मीवॉर्म की निगरानी को शामिल कर रहे हैं।'

हालांकि, डिपार्टमेंट ने अभी तक गन्ने पर इसकी मौजूदगी की रिपोर्ट नहीं दी है। किसानों को इस कीट को नष्ट करने के बारे में जानकारी नहीं है। इस कीट का वैज्ञानिक नाम स्पोडोप्टेरा फ्रुगिपर्डा है। यह अमेरिका के ट्रॉपिकल और सब ट्रॉपिकल क्षेत्रों से निकला है। अगर लार्वा के स्तर पर इसका नियंत्रण नहीं किया जाता तो यह फसलों को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। यह कीट सबसे अधिक मक्का की फसल पर हमला करता है, लेकिन यह धान, गन्ना और कपास जैसी फसलों को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

फॉल आर्मीवॉर्म को सबसे पहले अफ्रीका में 2016 की शुरुआत में पकड़ा गया था। यह अफ्रीका के कई क्षेत्रों में फैल चुका है। यह एक रात में 100 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है। यूनाइटेड नेशंस की फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन ने भी इसके खतरे को लेकर चेतावनी दी है। भारत में इसके आने के बाद अब अन्य एशियाई देशों में इसके फैलने की भी आशंका है।

Economic Times

9/10/2018